कानपुर, 15 जनवरी, 2022 दैनिक जागरण 7

सीएसए की सेमेस्टर मिड टर्म व फाइनल परीक्षा आनलाइन

मिड टर्म परीक्षा फरवरी के दूसरे सप्ताह में और फाइनल परीक्षा मार्च के दूसरे सप्ताह में आयोजित होंगी

जासं, कानपुर : कोरोना संक्रमण की रफ्तार लगातार बढ़ने के कारण चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि की ओर से स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की सेमेस्टर मिड टर्म व फाइनल परीक्षाएं आनलाइन मोड में आयोजित कराने का फैसला लिया गया है। शुक्रवार को इस संबंध में विवि की ओर से विद्यार्थियों को सूचना दी गई।

पिछले दिनों कोरोना संक्रमण के मद्देनजर उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विवि और उच्च शिक्षण संस्थानों को 16 जनवरी तक बंद करने और कक्षाएं आनलाइन मोड में संचालित करने के आदेश दिए थे। सीएसए विवि में छात्र-छात्राओं की कोरोना जांच कराई गई तीन विद्यार्थी संक्रमित पाए गए थे। विवि प्रशासन ने सभी हास्टल खाली कराकर विद्यार्थियों को घर भेजने के निर्देश दिए थे। साथ ही परीक्षाएं स्थगित कर दी थीं। विवि प्रशासन ने स्नातक, परास्नातक और पीएचडी विद्यार्थियों के विषण सेमेस्टर की मिड टर्म, प्रयोगात्मक व फाइनल परीक्षाएं आनलाइन मोड में संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं। कुलसचिव सीएल मौर्य के मुताबिक सेमेस्टर मिड टर्म परीक्षा फरवरी के दूसरे सप्ताह में सेमेस्टर फाइनल परीक्षा मार्च के दूसरे सप्ताह में आयोजित कराई जाएंगी। इस बार सभी संकाय अधिष्ठाता प्रश्नपत्र तैयार कराकर कुलसचिव कार्यालय में उपलब्ध कराएंगे। इसके लिए मूल्यांकन प्रणाली भी जारी की गई है।

अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया भी स्थगित

कोरोना संक्रमण को देखते हुए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में अतिथि प्रवक्ताओं के पदों पर भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। विवि प्रशासन ने इस संबंध में वेबसाइट पर सूचना दी है। विवि के प्रशासनिक एवं मानीटरिंग निदेशक वाइपी मलिक ने बताया कि अतिथि प्रवक्ता के पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। सात जनवरी से लेकर 20 जनवरी तक विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया होनी थी, लेकिन कोरोना संक्रमण को देखते हुए साक्षात्कार प्रक्रिया अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दी गई है।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन हादसा... 12 | योगी के गोरखपुर जाने पर अखिलेश ने कसा तंज... 05
जन एक्सप्रेस
www.janexpresslive.com/epaper लखनऊ | शनिवार | 15 जनवरी, 2022

सफेद से 'लाल मूली' सेहत के लिए अधिक फायदेमंद

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने केंद्र पर स्थित जैव संवर्धित पोषण वाटिका का अवलोकन करते हुए बताया कि सफेद मूली की अपेक्षा लाल मूली सेहत के लिए अधिक फायदेमंद है। उन्होंने बताया कि यह मूली मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ इसका स्वाद एवं गुणवत्ता बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि इसमें सल्फिरासोल, इंडोल-3 केमिकल भरपूर मात्रा में होने के कारण इसमें एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा भी ज्यादा होती है तथा यह एक कैंसर सेल्स को मारती है। उन्होंने बताया कि लाल मूली को किसान सर्दी-गर्मी किसी भी मौसम में उगा सकते हैं तथा इसकी व्यवसायिक खेती कर किसान सामान्य मूली की अपेक्षा दो गुना फायदा ले सकते हैं। इसका प्रयोग सलाद, सब्जी, अचार के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसमें पेलागोरनीडीन नामक तत्व पाया जाता है। जिसकी वजह से इसका रंग लाल होता है। इसमें विटामिन एसी व के प्रचुर मात्रा में होता है जिससे यह हाइपरटेंशन और मधुमेह जैसी बीमारियों से भी बचाता है।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • शनिवार • 15 जनवरी • 2022

सफेद मूली की अपेक्षा लाल मूली सेहत के लिए अधिक फायदेमंद

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने केंद्र पर स्थित जैव संवर्धित पोषण वाटिका का अवलोकन करते हुए वताया कि सफेद मूली की अपेक्षा लाल मूली सेहत के लिए अधिक फायदेमंद है।

उन्होंने वताया कि यह मूली मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता वढ़ाती है। उन्होंने कहा कि इसका स्वाद एवं गुणवत्ता वेहतर है। इसमें सल्फिरासोल, इंडोल-3 केमिकल भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसीलिए इसमें एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा भी ज्यादा है। साथ ही यह कैंसर सेल्स को मारती है। उन्होंने कहा कि लाल मूली को किसान सर्दी-गर्मी किसी भी मौसम में उगा सकते है। उन्होंने वताया कि इसके जड़ों की लंवाई 24 से 25 सेंटीमीटर,मोटाई 3 से 4 सेंटीमीटर और औसतन वजन 140 से 150 ग्राम तक होता है। यह मूली 45 से 46 दिनों में तैयार हो जाती है तथा पत्ते सहित इसकी औसत उपज 600 से 700 कुंतल प्रति हेक्टेयर होती है। उन्होंने वताया कि इसकी व्यावसायिक खेती कर किसान सामान्य मूली की अपेक्षा दो गुना फायदा ले सकते है।

अमर उजाला कानपुर 15/01/2022

सीएसए में सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाएं स्थगित

कानपुर। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सीएसए में स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की सेमेस्टर, मिड टर्म व फाइनल परीक्षाएं ऑनलाइन मोड में होंगी। वहीं, विवि प्रशासन ने जनवरी अंतिम सप्ताह में होने वाली सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। कुलसचिव डॉ. सीएल मौर्य ने बताया कि सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाएं फरवरी के दूसरे सप्ताह में और फाइनल परीक्षाएं मार्च के दूसरे सप्ताह में ऑनलाइन होंगी। प्रैक्टिकल भी ऑनलाइन होंगे। (संवाद)

अमर उजाला कानपुर 15/01/2022

न्यूज डायरी

लाल मूली उगाएं, दोगुना मुनाफा कमाएं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने लाल मूली के फायदे बताए हैं। उन्होंने बताया कि मूली मानव शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। लाल मूली को किसान सर्दी-गर्मी किसी भी मौसम में उगा सकते हैं। व्यावसायिक खेती कर किसान सामान्य मूली की अपेक्षा दोगुना फायदा ले सकते हैं। पेलागोरनीडीन नामक तत्व की वजह से इसका रंग लाल होता है। इसमें विटामिन ए, सी और के प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। लाल मूली हाइपरटेंशन और मधुमेह जैसी बीमारियों से भी बचाती है। (संवाद)

हिंदुस्तान कानपुर 15/01/2022

सफेद से अधिक लाल मूली सेहत के लिए फायदेमंद

कानपुर। सीएसए के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार ने किसानों को बताया कि सफेद के बजाए लाल मूली सेहत के लिए अधिक फायदेमंद होती है। कहा, लाल मूली मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। इसका स्वाद व गुणवत्ता बेहतर है। इसमें सल्फिरासोल, इंडोल-3 केमिकल भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिससे एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा भी अधिक होती है और कैंसर सेल को मारती है। लाल मूली को किसान सर्दी-गर्मी किसी भी मौसम में उगा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें पेलागोरनीडीन नामक तत्व पाया जाता है, जिसकी वजह से इसका रंग लाल होता है। इसमें विटामिन ए, सी व के प्रचुर मात्रा में होता है।

अमर उजाला कानपुर 16/01/2022

फसलों को पाले से बचाने के लिए खेतों में धुआं करें

कानपुर। शीत लहर और तापमान घटने से खेतों में खड़ी फसलों पर पाला का हमला हो सकता है। इस पर सीएसए के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने सलाह दी है कि किसान तुषार, पाला से फसलों को बचाने के लिए खेत के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में धुआं करें। इस वक्त उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। सब्जी, भाजी, चना, सरसों और मटर की फसलें अतिसंवेदनशील होती हैं। पाला पड़ने पर पानी में सल्फर को मिलाकर छिड़काव करें। इसके साथ ही किसानों को खेतो में निराई-गुड़ाई करके खरपतवार भी निकालने की सलाह दी गई है। इससे फसल को पर्याप्त वायु और प्रकाश मिलता रहेगा। डॉ. पांडेय ने बताया कि किसान फसल में चेपा कीट की निगरानी करते रहें। रोग की शुरुआती अवस्था में पौधे के प्रभावित हिस्से को निकाल दें। कीट तनों, फूलों, पत्तियों और नई फलियों का रस चूसकर नष्ट कर देते हैं। पौधे के कुछ भाग विषाक्त हो जाते हैं तो उनमें काली फफूंदी लग जाती है। इससे भी पैदावार में कमी आती है। चने की फसल में फली छेदक कीट लगता है। इस दौरान आलू में झुलसा रोग लगता है। (यूएनआई)